भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 9

जिसका उत्तर दिनांक 02.02.2023 को दिया जाना है

कोव्वाडा परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पूरा होने में देरी

9 श्री वि. विजयसाई रेड्डी :

क्या **प्रधानमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आंध्र प्रदेश राज्य में कोव्वाडा परमाणु ऊर्जा संयंत्र को पूरा करने के लिए प्रस्तावित समय-सीमा क्या है और अब तक इसमें कितनी प्रगति हुई है;

(ख) क्या सरकार ने परियोजना के पूरा होने में होने वाली देरी और लागत में होने वाली वृद्धि को रोकने के लिए कोई कदम उठाए हैं;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या सरकार के पास इस परमाणु ऊर्जा संयंत्र के माध्यम से सृजन होने वाले रोजगार के विषय में कोई अनुमान है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह) :

(क) कोव्वाडा में छह नाभिकीय विद्युत संयंत्र स्थापित करने के लिए मेसर्स वेस्टिंगहाउस इलेक्ट्रिक कंपनी (डब्ल्यूईसी), यूएसए के साथ चर्चा चल रही है। इसमें परियोजना लागत और कार्यक्रम अनुसूची सहित परियोजना प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया जाएगा। वर्तमान में, पूर्व-परियोजना गतिविधियों अर्थात भूमि अधिग्रहण, वैधानिक मंजूरी प्राप्त करने और स्थल जांच का कार्य चल रहा है। संयंत्र स्थल की 2061.1 एकड़ भूमि (कुल 2079.66 एकड़ में से) का एनपीसीआईएल के नाम पर अंतरण कार्य पूरा हो गया है।

(ख) तथा (ग) प्रश्न नहीं उठता क्योंकि परियोजना का निर्माण अभी तक शुरू नहीं हुआ है।

(घ) तथा (ङ) इसके शिखर पर निर्माण समय के दौरान, कोव्वाडा नाभिकीय विद्युत परियोजना में लगभग 8000 व्यक्तियों के रोजगार प्राप्त करने का अनुमान है जिसकी स्थिति घंटाकार वक्र की रहेगी। एक बार प्रचालित होने पर, प्रत्येक द्वि-यूनिट बिजलीघरों में लगभग 2000 व्यक्तियों के रोजगार (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों) प्राप्त करने का अनुमान है। स्थल पर आर्थिक गतिविधियों में बढ़ोत्तरी के फलस्वरूप व्यापार अवसर उत्पन्न होने से ठेकेदारों/विक्रेताओं से रोजगार प्राप्त होने की भी संभावना है।

* * * * *